एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2024 एवं जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूलपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओ 001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत और संकल्पनाएं
एमएसओ 002 : शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमएसओ 003 : विकास का समाजशास्त्र
एमएसओ 004 : भारत में समाजशास्त्र

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-001, 002, 003, 004/सत्रीय कार्य/ टीएमए/2024–25

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2025**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2025**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन :** पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–001 : समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं संकल्पनाएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 कार्यक्रम कोड : एमएसओ
अधिभारिता : 30% पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–001
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.–001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–2025

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. सिद्धांत और रूपावली के बीच संबंधों पर चर्चा करें। 20

2. पार्सन्स के क्रिया सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। 20

3. सामाजिक संरचना को समझने में लेवी-स्ट्रॉस और एडमंड लीच के योगदान की विवेचना कीजिए। 20

4. शक्ति क्या है? शक्ति के स्रोतों की विवेचना कीजिए। 20

भाग – II

6. आधुनिकता क्या है? गिडेंस की आधुनिकता की अवधारणा की विवेचना कीजिए। 20

7. नागरिकता क्या है? इसके विभिन्न प्रकारों की विवेचना कीजिए। 20

8. पहचान और पहचान निर्धारण के बीच संबंध की जांच करें। 20

9. वर्ग के बारे में कार्ल मार्क्स के दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–002: शोध पद्धतियाँ और कार्यविधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोडः एसएसओ–002
सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–25

अधिकतम अंकः 100
अधिभारिताः 30%

भाग–क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिएः

1. प्रघटना"ाास्त्र क्या है? प्रघटना को समझने के लिए मार्टिन हेडेगर को योगदान को स्पष्ट कीजिए। 25

2. प्रत्यक्षवाद क्या है? गिड्डेन्स की प्रत्यक्षवाद की समीक्षा की चर्चा कीजिए। 25

3. तुलनात्मक विधि का वर्णन कीजिए। सामाजिक विज्ञान शोध में इसके क्षेत्र–विस्तार (scope) की चर्चा कीजिए। 25

4. सामाजिक शोध में सहभागितापरक उपागम की चर्चा कीजिए। परंपरागत शोध पद्धति के साथ इसकी तुलना एवं इनके बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 25

5. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी विधि की प्रकृति एवं क्षेत्र विस्तार की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 25

भाग–ख

निम्नलिखित में से किसी *एक* पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

i) भारतीय समाज पर पराराष्ट्रीय प्रवसन का प्रभाव। 50

ii) भारत में सामाजिक रूप में बहिष्कृत एवं सीमांत समूहों के सभाक्तिकरण के साधनों के रूप में मुक्त एवं दूरस्त ि"ाक्षा। 50

iii) जाति की समकालीन राजनीत में प्रासंगिकता। 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं। साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित किन्हीं दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेख अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखिए।
प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन संग्रहित करने होंगे और चयनित विषयवस्तु पर अपनी रिपोर्ट तुलनात्मक ढाँचे में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- चयनित मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों की प्रस्तुति संसक्त रूप से करें और
- अंत में उचित संदर्भ बिंदुओं (referencing) का उल्लेख करें।

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में कोर पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
एम.एस.ओ.–003: विकास का समाजशास्त्र

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : **एम.एस.ओ.–003**
सत्रीय कार्य कोडः एमएसओ–003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–25

अधिकतम अंकः 100
अधिभारिताः 30%

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

खंड-I

1. सामाजिक परिवर्तन क्या है? सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए। 20

2. वैश्वीकरण के सांस्कृतिक आयाम पर विस्तार से चर्चा कीजिए। 20

3. सतत विकास क्या है? इसके आयामों पर चर्चा कीजिए। 20

4. समाज के आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक पहलुओं पर बड़े बाँधों के प्रभावों पर चर्चा कीजिए। 20

5. आधुनिकीकरण क्या है? आधुनिकीकरण के विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए। 20

खंड-II

6. सामाजिक विकास क्या है? विकास के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या करें। 20

7. हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए नागरिक समाज की भूमिका के बारे में विस्तार से बताएं। 20

8. आप 'मानव विकास' से क्या समझते हैं? यह आर्थिक विकास से किस प्रकार भिन्न है। 20

9. निर्भरता सिद्धांत का वर्णन करें और इसकी प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित करें। 20

10. भारत में विकासात्मक प्रथाओं में जन विज्ञान आंदोलन की भूमिका पर चर्चा करें। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओ–004 : भारत में समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2024–2025

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

खण्ड-I

1. समाजशास्त्र के उद्भव की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए। 20

2. उन्नीस सौ पचास के दशक में समाजशास्त्रियों और समाज-वैज्ञानिकों का मुख्य ध्यान भारत में ग्रामीण अध्ययन पर क्यों केंद्रित हुआ? चर्चा कीजिए। 20

3. भारत में जाति व्यवस्था के 'ब्राह्मणवादी' दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए। 20

4. भारतीय समाज के बारे में अम्बेडकर और लोहिया के भिन्न मतों की विवेचना कीजिए। 20

5. भारत में कृषि वर्ग संरचना का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 20

खण्ड-II

6. गाँव के 'सामान्य' (संपत्ति) क्या हैं? इसके महत्त्व की विवेचना कीजिए। 20

7. भारत में जनजातियों के संबंध में वेरियर एलोविन और जीएस घुरे के बीच बहस पर चर्चा कीजिए। 20

8. भारतीय समाज में धर्म द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं की उपयुक्त उदाहरणों सहित विवेचना कीजिए। 20

9. नगरीकरण क्या है? भारत में नगरीय क्षेत्रों के रूपांतरण में इसकी भूमिका की विवेचना कीजिए। 20

10. पुराने सामाजिक आंदोलनों और नए सामाजिक आंदोलनों के बीच अंतर क्या हैं? उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। 20